

सम्पादकीय

ई-कॉर्मर्स नीति बढ़ाए प्रतिस्पर्धा सरकार को स्वामित्व या निवेश के आधार पर रोकना होगा भेदभाव

ई-कॉर्मर्स स्टेटकॉर्मों की वृद्धि और खुदरा क्षेत्र पर उनके संभावित प्रभाव को देखिये वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गर्म सप्ताह यह सम्पूर्ण किया कि सरकार ई-कॉर्मर्स के विकास नहीं है बल्कि वह ऑनलाइन और सामान्य खुदरा कारोबारियों के बीच स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने पर ध्यान कीर्तिंदार करना चाहती है। उन्होंने इस बात को भी रोकियाँ किया कि ऑनलाइन खुदरा कारोबारियों के लिए नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण है। गोयल ने सरकार की स्थिति साफ करके अच्छा किया लेकिन ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन खुदरा के मुख्य पर बहस जारी रही। सरकार को अपनी नीतियों में भी ई-प्रकार बदलाव करें ताकि उन्हें तो यह समझना अहम है कि ई-कॉर्मर्स क्या कर रहा है और उनके क्या संभावित खतरे हैं। ग्राहकों के लिए ई-कॉर्मर्स ने चयन के विकास बढ़ाया है और खरीद को समर्पित और उत्तराधारी के गहन नेटवर्क और लाइसेंस क्षमताओं के बारे में खारी-खारी शरणों और ग्रामीण भारत के उपभोक्ताओं की पहचं उत्तराधारों तक हो सकी है जो पहले केवल बड़े शहरों में रहने वाले लोगों में पहुंच में।

उत्पादकों के नजरिये से देखें तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के साथ जुड़ाव ने पूरे देश को छोटे और मझोले उत्पादकों के लिए भी एक संभावित बाजार में बदल दिया है। ऑनलाइन और ऑफलाइन बेंडों और उपभोक्ताओं के एक सर्वेक्षण के बाद पहले ईडिड्या फार्डेंस ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें 60 पासीनों और 52 फीसदी बेंडोंने कहा कि ऑनलाइन विक्री शुरू होने के बाद उनकी बिक्री और सुनाकादों बढ़े हैं। जानकारी यह भी है कि वे अधिक लोगों को काम पर रख रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े उत्पादकों दोनों को लाभ हुआ है। बहरहाल, नीतिवाली नजरिये से देखें तो प्राथमिक चिंताएं भी सकती हैं। पहली, अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बहुत कम जीमत पर बेचने की गणनीति अपनाते हैं। इस तरह के व्यवहार की जांच जरूरी की जाहिर है। वास्तव में ऐसे मालों में प्रतिस्पर्धा नियामकों के बड़े ऑनलाइन खुदरा कारोबारियों की है। बहरहाल, विशुद्ध कारोबारी नजरिये से देखा जाए तो ऑनलाइन कारोबारियों के ऐसा व्यवहार अपनाने की कोई तुक महीनों में अपनाया जाता है जहां सम्पत्ति प्रतिस्पर्धा मानी जाती है। यहां मालाएँ नहीं हैं। दो बड़े विदेशी पर्फॉर्म वाले ई-कॉर्मर्स प्लेटफॉर्म के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे प्लेटफॉर्म भी हैं जिनका स्वामित्व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास है। ध्यान रहे कि कॉर्मर्स शर्मा यांशुभ्रत सामान पहुंचने वाली सेवाएं अब बड़े पकड़ रही हैं। ये भारी छूट वाली सेवाओं के मुकाबले तेज़ी से बढ़ रही हैं। इससे पता चलता है कि ऑनलाइन खुदरा कारोबार काफी प्रतिस्पर्धी है और यहां प्रवेश बाधा बंदों नहीं है। जैसा पहले सोचा जाता था।

शहिस्यत

हम क्या हैं इसका परिचय हमसे पहले हमारे व्यक्तियों के चर्चे दे देते हैं, निश्चल व साफ सुधरी छवि ही एक शब्द का शाश्वत बनाती है नमस्कार मित्रों हमारी आज की शाश्वतियत कॉलम के स्टार हैं 3 मार्च सन 1975 को अलवर में जन्मे पंकज शर्मा। राजनीतिजी जैसे दलवार में साफ व्यक्तियों द्वारा बोली जानी वाली उत्साही व विवेकवाली हैं पंकज शर्मा। आज तक मुझे तो ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला जिसने इनकी बुराई की हो, मुँह देखने के बाद उनकी बुराई की हो जाती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी इनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए चुना। 2012 से ऐसे रियल एस्टेट के रेंटल प्रॉपर्टी लौजिंग के व्यवसाय के से जुड़े जारी हैं। पंकज शर्मा एवं प्रसारण की जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी इनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी इनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी इनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। मददगार और ईमानदार छवि वाले पंकज शर्मा का जन्म तो अलवर हुआ लेकिन पिता के राजनीती के लिए एक मार ऐसे शरकत हैं जिनकी पोंट के पीछे भी अच्छी ही होती है। हमेशा मन्द मुख्यान विवेतर सामान्य कद होने के बाद भी दूर से नजर आने वाले एवं अलवर आगे आ तथा इतिहास विषय से स्नानकोरन तक शिक्षा अलवर में ही प्राप्त की तत्परता 25 वर्ष की उम्र में दवा उद्योग से जुड़ गए तथा इनकी जीवनकारी के

विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं अंतर विभागीय समन्वय बैठक

विशेष अभियान चलाकर सड़कों से मवेशियों को हटाएँ : जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं अंतर विभागीय समन्वय के संबंध में सोमवार को जिला कलक्टर डा. रविंद्र गोवारामी की अध्यक्षता में कोटेट्रेट सभाराम में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलक्टर ने बजट घोषणाओं के प्राप्ति की समीक्षा की एवं सभी विभागों से भूमिका विवरण एवं आवटन संबंधी प्राप्ति की जानकारी ली। उहोंने कहा कि सभी विभाग अधिकारी को नियुक्त कर जीवन विहित करने एवं आवटन संबंधी कार्य कराने का कार्य प्राप्ति कराना से करें। डा. गोवारामी ने निगम उत्तर एवं दर्शकण के आयुक्तों ने निर्देश दिए कि तीन दिन तक विशेष अभियान चलाकर सड़कों से मवेशियों को हटाएँ। उहोंने सड़कों पर मवेशियों के कारण हो रही विवरणों को नियम विरुद्ध व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं, वहां भी कार्रवाई की जाए। जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन एवं मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य बोर्ड योजना की विस्तार से समर्था की। उहोंने पोबललूड़ी, नगर निगम एवं केड़ीए को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु में जिला सड़कों को नुकसान पहुंचा है वहां के लिए



निर्माण कार्य संबंधी टेंडर की प्रक्रिया जल्दी की जाए ताकि बारिश के समाप्त होते ही मरमत कार्य कराए जा सकें। उहोंने ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए कि विभिन्न मार्गों पर जहां-जहां खतरनाक गेहूँ हैं उनकी सूची लैंगर कर निगम, केड़ीए एवं पोडलूड़ी को दी जाए।

नो बैग-डे पर दी जाए डेंग से बचाव की जानकारी : जिला कलक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविवार को नो बैग-डे के दिन विद्यालयों

में छात्र-छात्राओं को डेंग संबंधी जानकारी दी जाए। उहोंने कहा कि जल भराव को रोकें के उपायों एवं मौसमी बीमारियों पर नियन्त्रण के बारे में विस्तृत जानकारी विद्यालयों में दी जाए।

डा. गोवारामी निर्देश दिए कि सभी विभागों को निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसुनवाइ एवं संपर्क योगल पर अपने वाले प्रकरणों का गुणवत्ता पूर्ण निरसारण करें। उहोंने निर्देश दिए कि सभी विभागों के अधिकारी एवं कार्यकारी कर्मविधायी पोर्टल

पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं एवं आवश्यक कोर्स जल्दी कराएं ताकि बैठक में अनियंत्रित विनाश का कार्यक्रम के बड़े बदलाव नहीं हों। जिला कलक्टर प्राप्ति सुकृष्ण चौधरी अधिकारी, अंतरिक्ष कलक्टर विश्वास विद्यालयों के बारे में जनसुनवाइ एवं संपर्क योगल पर अपने वाले विभाग गोरेंद्र सिंह, जिला रसद अधिकारी पूष्णा हरवानी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त संस्था प्रधानों की दो दिवसीय वाकपीठ में 123 संस्था प्रधानों ने भाग लिया, सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। ब्लॉक स्तरीय प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा की संयुक्त संस्था प्रधानों की सत्र 2023-24 की दो दिवसीय वाकपीठ का संविधाय धाम मुग्नाना के सभागार में एवं चार अधिकारी को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभाग संघर्ष भेलूलाल चौधरी ने मुख्य आतिथि को आयोजन किया गया।

ब्लॉक वाकपीठ अध्यक्ष दिलाप उम्मार उपाध्याय एवं सचिव जगदीशचंद्र प्रजापत ने बताया कि दो दिवसीय वाकपीठ में शैक्षिकीय विवरणों पर विभिन्न शिक्षाकारी विवरण एवं अधिकारीयों के सम्बन्धित विवरणों के सम्बन्धित विवरणों पर अधिकारीयों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभाग संघर्ष भेलूलाल चौधरी ने नई करते हुए पंचायत समिति किया गया। इस दौरान विभाग संघर्ष भेलूलाल चौधरी ने नई जारी किया गया।



विवरणों में सुसंस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया। उल्लेखनीय है कि उक्त समाप्त समारोह में सेवानिवृत होने वाले मुख्य ब्लॉक अधिकारियों के सम्बन्धित विवरणों के सम्बन्धित विवरणों पर अधिनंदन पत्र का वाचन चढ़प्रकाश सिरोया द्वारा किया गया। समाप्त समारोह में मुख्य जिला

शिक्षा अधिकारी चित्तोड़ागढ़ प्रमोद कुमार दशोरा, संत अनुजदास महाराज, समर्पण शिक्षा कार्यालय चित्तोड़ागढ़ के सहायक परियोजना समन्वयक आरानंदी कालेंद्र योगेश अड्डनिया, आरानंदी कालेंद्र प्रबृद्धक बसीम खान, विश्वास अधिकारी एवं कवि बंशीलाल रहीम कार्यक्रम की संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल सुनील कुमार चौधरी, राजेंद्र चास्टा, केलास गौड़, राजेंद्र चौधरी, योगेंद्र सोनी, संदीप ढाका आदि अधिनंदन पत्र का वाचन चढ़प्रकाश सिरोया द्वारा किया गया। समाप्त समारोह में मुख्य जिला

लड्डू, जिला कांग्रेस संस्तोष नंदवाला, विश्वास कार्यकर्ता सत्यप्रकाश व्यास, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल सुनील कुमार चौधरी, राजेंद्र चास्टा, केलास गौड़, पौर्णलाल चौधरी, योगेंद्र सोनी, संदीप ढाका आदि अधिनंदन पत्र का सहायी योगदान रहा। कार्यक्रम की संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा आदि अधिनंदन के सफलताल जिनगर ने संबंधित करते हुए कवि बंशीलाल कार्यकर्ताओं के संस्थान संस्कृति दी गयी। वाकपीठ के उपाध्यक्ष सीरोया ने बताया कि प्रारंभिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के 123 संस्था प्रधान ने दो दिवसीय वाकपीठ में भाग लिया है। विभिन्न वाकपीठ के उपाध्यक्षों में शिक्षावाचारी गोपाललाल शर्मा

